TATA
art & CRAFTS

गाड़ी रुक गई, दौड़ रहा फर्नीचर

वाहनों के नए पुराने पार्ट्स से तैयार किया 'ऑटोमोबाइल फर्नीचर'

दिल्ली फेयर में पुराने सामान से बने उत्पाद। जागरण

लोकेश चौहान, नोएडा

चलती का नाम गाड़ी, लेकिन रुक जाए तो उसे गाड़ी नहीं कहते। जोधपुर के एक हस्तशिल्पी अभिनव भंडारी ने खराब और पुराने वाहनों के पुर्जों के जरिए ऐसा फर्नीचर तैयार कर दिया है, जो विभिन्न रेस्तरां के साथ घरों व कार्यालयों में भी प्रयोग में लाया जा रहा है। इस फर्नीचर को ऑटोमोबाइल फर्नीचर का नाम दिया गया है। इसे बनाने में किसी एक वाहन के पुर्जे नहीं, बल्कि साइकिल से लेकर ट्रक तक के पुर्जों का प्रयोग किया गया है।

पुराने, खटारा और खराब हो चुके वाहनों के पुर्जों के साथ ऐसे पुर्जे और उपकरण जो वाहन में किसी भी प्रकार से प्रयोग नहीं किए जा सकते, उन सभी को मिलाकर फर्नीचर तैयार किया जाता है। ट्रैक्टर की टूटी हुई और पुरानी सीट को मिलाकर घूमने वाली कुर्सी तैयार की है। ट्रैक्टर के बोनट का प्रयोग इस तरह से किया गया है कि यह टेबल का काम कर रहा है और इसमें पहिए लगाकर इसे दूसरी जगह ले जाने के लायक बनाया है। ट्रक के इंजन के बाहर लगे बोनट को दुरुस्त करके काउंटर तैयार किया गया है। मोटर साइकिल के खराब चेनसैट को एकत्र करके उन्हें इस तरह से जोड़ा गया है कि यह टेबल बन गई है। इस टेबल को आकर्षक बनाने के लिए इस पर शीशा और नीचे से घूमने वाला बना दिया है। इसी प्रकार मोटर साइकिल, स्कूटर, साइकिल, सहित कई वाहनों के विभिन्न पार्ट्स का प्रयोग कर साइकिल कम मोटर साइकिल तैयार की है। यह चलती नहीं है, लेकिन बेहतर शोपीस है।

- **बेकार पुर्जों का प्रयोग कर बना दी काउंटर, टेबल और कुर्सियां**
- **विभिन्न प्रकार के लैंप भी बना दिए हैं वाहनों के पार्ट्स का प्रयोग करके**

निर्यातक अभिनव भंडारी

ऑटोमोबाइल फर्नीचर तैयार करने वाले अभिनव भंडारी का कहना है कि कबाड़ी और पुराने वाहनों को पुर्जों में बेचने वाले लोगों के पास इसके लिए अक्सर जाना पड़ता है। वाहनों के वे पुर्जे जो किसी काम के नाम नहीं है, उन्हें मिलाकर फर्नीचर बनाया जाता है। चूंकि पुर्जे लोहे और अन्य धातुओं से मिलकर बने होते हैं, तो ऐसे में यह काफी मजबूत हो जाते हैं। इन उत्पादों की सबसे अधिक मांग रेस्तरां, फार्म हाउस आदि स्थानों के लिए है। बीते कुछ दिनों में इनकी मांग में अच्छा खासा इजाफा भी हुआ है। विशेष रूप से वाहनों की लाइट और उनके कुछ हिस्सों को तैयार किए गए लैंप का प्रयोग घरों में भी किया जा रहा है।

Display a menu